खबर संक्षेप

पुलिस की नाकामी से कानून व्यवस्था चरमराईः डॉ अमित सिंह

हरिभूमि न्यूज सतना। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ.अमित सिंह ने सतना जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, खासकर हत्या की वारदातों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिले में पुलिस प्रशासन की लापरवाही और नाकामी के कारण आम नागरिकों का जीना दुश्वार हो गया है। आए दिन हो रही हत्याएं इस बात का प्रमाण हैं कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। डॉ.सिंह ने कहा कि शासन और प्रशासन जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं।अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम आदमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।उन्होंने सवाल उठाया कि जब तक आमजन सुरक्षित नहीं होंगे,तब तक विकास और शांति की बात कैसे की जा सकती है।

बारिश के पहले व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने कमिश्नर ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज सतना। आयुक्त नगर पालिक निगम द्वारा वर्षा पूर्व की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु पूर्व नगर के सभी नाले नालियों की साफ-सफाई कराई जाए। इस हेतु नाले नालियों को सफाई का दिन-प्रतिदिन का चरणबद्ध कार्यक्रम तैयार किया जाए। इसी तरह जोन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने प्रभार के जोन में जिन स्थानों पर वर्षा ऋतु दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है,ऐसे स्थानों का चिन्हांकन कर,इन स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित न हो,ऐसे निराकरण के साथ प्रस्ताव 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। ताकि वर्षा ऋतु के दौरान नगर में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। आयुक्त नगर पालिक निगम सतना द्वारा कार्यपालन यंत्री (जलप्रदाय) को निर्देशित किया गया कि ऐनीकट के गेट को बन्द करने वाली कड़ीशटर को समय पर ऐनीकट से निकालने एवं सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए ताकि वर्षा ऋतु के दौरान कड़ीशटर खराब न हो सके एवं कड़ीशटर का उचित रख-रखाव संभव हो सके। ऐनीकट पर बढ़ते जलस्तर को देखने के लिए पर्याप्त फ्लड लाइटें ऐनीकट के उंचे भाग पर लगवाया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही साथ नदी तल पर स्थापित मोटरों को वर्षा ऋतु के पूर्व लिफ्ट कर,सुरक्षित स्थान पर लगाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ताकि मोटरें भी सुरक्षित रहें एवं शहर की जलापूर्ति भी प्रभावित न हो।

लोक अदालत 10 मई को

हरिभूमि न्यूज सतना। संपत्ति कर एवं अन्य संलग्न करो के बकायादारों को सूचित किया गया है कि नेशनल लोक अदालत 10 मई को आहूत की गयी है। लोक अदालत दिवस में 25 से 100 प्रतिशत की छूट संपत्तिकर एवं जलकर के बकाया राशि में देय होगी। अतः सभी बकायादारो से अनुरोध है कि अपनी-अपनी देय राशि का भुगतान कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा ऑन लाईन के माध्यम से भुगतान कर छूट का लाभ प्राप्त करें।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हमलावर,तीन गिरफ्तार

महदेवा में बसपा नेता शुभम साहू की पीट-पीटकर हत्या, इलाके में सनसनी

दो दिन पहले कांग्रेस छोड़कर बसपा में हुए थे शामिल

हरिभूमि न्यूज सतना

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के महदेवा इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक बसपा नेता शुभम साहू की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हमलावर कमरे में कैद हुए हैं। पुलिस विवेचना कर रही है। परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने शव रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को एक आवेदन सौंपा है जिसमें कहा गया है कि हमलावर की संख्या ज्यादा थी जो कैमरे में कैद हैं। मृतक के पिता पप्पू साहू ने हमलावरों और साजिश रचने वालों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

करीब 15 अज्ञात हमलावर कमरे में कैद

बसपा नेता शुभम साहू 26 वर्ष पर लाठी-डंडे लेकर बदमाश टूट पड़े थे। बदमाशों ने उसे पत्थर भी मारे। हत्या की असली वजहों का पता फिलहाल नहीं चला है।आशंका जताई जा रही है कि जमीन को लेकर यह विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस से पूरे मामले की तफ्तीश कर रही है।

शुभम ने कांग्रेस छोड़ी थी

मृतक शुभम साहू ने दो दिन पहले ही

कांग्रेस को छोड़कर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ली थी। और हाल ही में वह भोपाल से सतना लौटा था। बताया जाता है कि घायल शुभम को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से रीवा रेफर कर दिया गया। रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया

मारपीट की घटना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें 14-15 लोग लाठी-डंडे लिए हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों पंकज गौतम,रजनीश गौतम एवं विपिन गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपी एक ही परिवार के हैं।आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि शुभम का अपने ही मोहल्ले के कुछ लोगों से जमीन विवाद चल रहा था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

शुभम पर कई आपराधिक मामले दर्ज

शुभम साहू के खिलाफ शहर के सिविल लाइन,सिटी कोतवाली एवं कोलगवां थाने में 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं,जिनमें मारपीट,जमीनी विवाद जैसे मामले हैं। जांच में सामने आया है कि शुभम और उसके पिता महेश साहू यहां की कुछ निजी जमीनों पर कब्जा किए हुए है। एक गौतम परिवार है,जिसकी जमीन पर इनका जबरन कब्जा है। एक सिंह परिवार भी है। कई लोग शुभम साहू और उसके परिजनों की करतूत से परेशान थे। 2024 में शुभम पर जिलाबदर की कार्रवाई भी हो चुकी हैं।

निगम अध्यक्ष पर साजिश रचने का आरोप... पिता बोले- मैं आत्महत्या कर लूंगा

बीएसपी नेता शुभम के पिता महेश साहू ने नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी और उनके भाई उमेश चतुर्वेदी पर हत्या

की साजिश का आरोप लगाया है। हरिभूमि से बातचीत करते हुए मृतक के पिता ने कहा कि निगम अध्यक्ष का बेटा एक साल पहले मेरे घर आया था। गाली गलौज किया जिसकी कैमरे में रिकॉर्डिंग है। मैंने थाना और एसपी से शिकायत की,न्यायालय में इस्तगासा भी लगाया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसने शिकायत की तो मेरे बेटे पर 327 का मुकदमा लगा दिया गया। कहा गया कि बेटे ने दारु पीने के लिए पैसा मांगा,मृतक के पिता ने कहा कि मुझे नहीं मालूम कि प्रशासन शिकायत कैसे लिख लेता है। मैं शराब का ठेकेदार हूं,मेरा बेटा शराब की दुकान चलाता है फिर कैसे मेरा बेटा दो

बोतल शराब का पैसा मांगेगा। कैसे मुकदमा दर्ज किया गया। मैंने इस्तगासा किया, साल भर से ज्यादा हो गया अभी तक न्याय नहीं मिला और उसके बाद तथा कथित नेताओं के कहने पर बेटे पर जिला बदर की कार्रवाई की गई। 19 अप्रैल को जिला बदर की डेट खत्म हो गई। इसके बाद साजिश रचकर बेटे का मर्डर कर दिया गया। मैंने बताया कि कौन-कौन घटना में शामिल है। उसमें 1 अपराधी को छोड़ा जा रहा है जिसका नाम मैंने बताया है। मेरे पास कैमरे की रिकॉर्डिंग है। 14-15 अपराधी हैं,सबको मुलजिम नहीं बनाया गया। सिर्फ तीन लोग पकड़े गए। मेरी मांग है कि सभी को पकड़ा जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मैं एसपी ऑफिस आकर आत्महत्या कर लूंगा।

गर्मी में बारिश का अहसास... अभी दो-तीन दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम!!

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बरसे बादल, तापमान भी गिरा

हरिभूमि न्यूज सतना। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के इस मौसम में पश्चिमी विक्षोभ ने रंग में भंग डाल दिया है। इसलिए दो-तीन दिन से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सोमवार को अचानक बादलों ने अपना रंग बदला और बारिश के साथ ठंडी हवा चलने लगी,जिसके कारण ऊपर की ओर चढ़ने वाला तापमान नीचे गिर गया। अधिकतम तापमान 38.7 और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री

सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक सुबह 8:30 बजे से लेकर शाम 5:30 बजे तक 2.9 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक ने हरिभूमि को बताया कि अगले दो-तीन रोज मौसम कुछ इसी तरह रहेगा। 6 और 7 को गरज चमक और हवा के बीच बारिश हो सकती है जबकि 7 और 8 को मौसम में हल्का परिवर्तन रहेगा। इसके बाद गर्मी लोगों को सताने लगेगी। सनद रहे कि पिछले 1 महीने से मौसम का मिजाज एक जैसा नजर नहीं आ रहा है। कहीं तेज आंधी तूफान तो कहीं धूल भरी हवाओं ने लोगों को परेशान कर रखा है। इस बीच जिन किसानों ने अभी तक फसल की कटाई नहीं की है अथवा कटाई करने के बाद गहाई का काम नहीं हुआ है वह ज्यादा परेशान है।

मैहर में मिलावट खोरी चरम पर, संचालित डेरियों से परोसा जा रहा धीमा जहर

मैहर। तमाम तरह के मादक पदार्थों से हमारे समाज हमारे शरीर को व्यापक नुकसान है हमारे तंत्र के शीर्ष में बैठे जिम्मेवार इसकी रोकथाम के लिए हर प्रकार की जद्दोजहद करते नजर आते हैं। समाज को भी तमाम माध्यमों से जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन दूसरी तरफ लाइसेंसी रूप से डेरियों के माध्यम से नशे से भी खतरनाक धीमा जहर परोसा जा रहा है मैहर की औसतन डेरियों के माध्यम से मिलावटी दूध खोवा पनीर परोसा जा रहा है। दूध की इतनी आवक नहीं है फिर भी खोवा पनीर दूध जितना चाहिए मिल जायेगा तो ये बनता कैसे है इसकी जांच पड़ताल की जहमत उठाने की फुर्सत फूड विभाग के पास नहीं है। जितनी डेरियां यहां संचालित हैं इनके द्वारा बेचें जाने वाले दूध दही खोवा पनीर की जांच कराई जाय तो खाने वालो के होस उड़ जायेंगे। नवजातों को बचपन से ही धीमा जहर इन डेरी प्रोडक्ट के माध्यम से दिया जा रहा है। इस मामले में किसी का ध्यान नहीं जबकि नशे से बड़ा कारोबार इन दिनों मिलावटी चीजों का बन चुका है जो समाज में तरह तरह से लोगो को बीमार बना रहा है लेकिन इस ओर किसी का ध्यान ही नहीं जा रहा। विभाग में बैठे जिम्मेवार सिस्टम में मस्त है और मामले को लेकर जब कभी आवाज उठती है तो तोहमत मढ़ दी जाती है कि यह सिस्टम की लड़ाई है। कलेक्टर को शहर की चिन्हित डेरियों की नियमित सैंपलिंग करा कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाना जनहित में आवश्यक कदम है क्योंकि यह कारोबार नशे के कारोबार से बड़ा और भयावह है।

गला दबाकर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज सतना। नागौद पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी को घटना के 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक फरियादी दीपक बिरहा पिता मंगल प्रसाद बिरहा उम्र 42 वर्ष निवासी पीली घाट थाना नागौद ने रिपोर्ट किया कि मेरी माँ माया देवी को पिता किसी न किसी बात को लेकर आये दिन लड़ाई-झगड़ा,मारपीट करते रहते थे। हमलोग कई बार समझा बुझाकर शांत करा देते थे। तो कुछ दिन के लिये अच्छे से रहते थे लेकिन पिताजी फिर से मम्मी को गाली गलौज मारपीट करने लगते थे,पिता होने के नाते हमलोग रिपोर्ट नही करते थे। आज मेरा छोटा भाई नीरज मोबाइल से बताया कि मम्मी नही बोल रही है तब मैं मम्मी के घर गया देखा तो मम्मी जमीन में पड़ी थीं।आवाज लगाया तो नही बोल रही थी। देखा तो उसके गला और दाढी में रगड़ के लाल निशान पड़े हैं । फिर मैं पापा से पूछा कि क्या बात है तो पापा बताये कि आज सुबह करीब 6 बजे तुम्हारी मम्मी मुझसे किच-किच कर रही थी तो मैं गुस्से में आकर एक थप्पड़ मार दिया तो जमीन में गिर गई इसके बाद मैं दोनो हाथ से गला दबा दिया तो खत्म हो गई है। तब मुझे घटना की जानकारी हुई। मेरी माँ माया देवी पति मंगल प्रसाद बिरहा उम्र 65 वर्ष निवासी पीली घाट नागौद की मृत्यु पिताजी के द्वारा गला दबाकर हत्या करने से हुई है, लाश घर में पड़ी है,रिपोर्ट पर थाना में अप.क्र.286/25 धारा 103(1) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध किया जाकर एफ.एस.एल.टीम सतना की उपस्थिति में मृतिका के शव का पंचायतनामा कार्यवाही करने पश्चात मृतिका के शव पीएम कराया गया एवं मामले के आरोपी मंगल प्रसाद बिरहा पिता भगवानदीन बिरहा उम्र 68 वर्ष निवासी पीली घाट नागौद थाना नागौद को बस स्टैण्ड नागौद में दस्तयाब कर पूंछताछ पर अपराध घटित करना स्वीकार करने पर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

कोरेक्स और ड्रग के खिलाफ सामूहिक लड़ाई लड़नी होगी नहीं तो हमारी नस्लें बर्बाद हो जाएंगीः आईजी

रीवा संभाग में कोरेक्स ड्रग के खिलाफ अभियान का शंखनाद

हरिभूमि न्यूज सतना। मैहर। रीवा संभाग के आईजी गौरव राजपूत ने सोमवार को मैहर जिले के ग्राम पहाड़ी में जन चौपाल लगाकर आईजी आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आम जन से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि कोरेक्स ड्रग जैसे मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए हम सभी को एक साथ मिलकर लड़ाई लड़नी पड़ेगी तभी हम इस बुराई को दूर कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति हम सभी की जिम्मेवारियां है और अगर इन जिम्मेवारियों का निर्वाह हम आज नहीं कर पाए तो हमारी आने वाली नस्लें बर्बाद हो जाएंगी। आईजी गौरव राजपूत ने कहा कि आज से हम रीवा संभाग में कोरेक्स ड्रग के खिलाफ अभियान का शंखनाद करने जा रहे हैं और अगर इस कारोबार में हमारा कोई अपने विभाग का व्यक्ति भी शामिल या सहयोग में पाया जायेगा तो उसे भी बक्सा नहीं जायेगा। इस कारोबार से जुड़े

हर व्यक्ति की कमर तोड़ने का कार्य किया जायेगा चाहे वह कोई सफेद पोश ही क्यों न हो।

साइबर अपराध की जानकारी दी

आईजी रीवा ने आमजन को साइबर फ्राड साइबर अरेस्ट के बारे में भी जानकारी दी साथ ही सभी को सावधान एवं सतर्क रहने की सलाह दी। आयोजित कार्यक्रम के दौरान आईजी आम जनता की समस्याएं सुनी व अपने अधीनस्थों को त्वरित निदान किए जाने के निर्देश जारी किए। आईजी रीवा गौरव राजपूत ने कहा कि कहीं भी किसी क्षेत्र में अगर किसी को भी कोरेक्स बेचें जाने की सूचना या जानकारी है तो हमे जानकारी दें। व्यक्ति की जानकारी गुप्त रखी जाएगी व कोरेक्स कारोबारी पर कार्यवाही की जाएगी। जबतक हम आप मिलकर इस नशे के विरुद्ध अभियान नहीं चलाएंगे तब तक समाज को हम इससे मुक्त नहीं करा पाएंगे। निश्चित ही आईजी रीवा का यह नवाचार नशा मुक्त अपराध मुक्त समाज के निर्माण में महती भूमिका निभाएगा जरूरत है आईजी रीवा के इस अभियान के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की।

खबर संक्षेप

जिला अस्पताल के सामने दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

पन्ना हरिभूमि न्यूज । जिला अस्पताल पन्ना के सामने बनी सरकारी दुकानों के बाहर दुकानदारों के द्वारा टीन सेड लगवा कर सड़क तक कब्जा कर लिया गया था, इन दुकानों में आने वाले ग्राहक अपने दो पहिया व चार पहिया वाहन सड़क में खड़े करते थे ऐसे में अन्य वाहनों को आवागमन में परेशानी होती थी एवं जाम की स्थिति बनती थी, कई बार एक्सीडेंट में घायल या गंभीर बीमार व्यक्ति को लेकर आने या जाने वाली एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती थी, लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान दिए गए निर्णय के अनुसार कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार अखिलेश कुमार प्रजापति, नपा सीएमओ शशि कपूर गढ़पाले, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के साथ नगरपालिका, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान जेसीबी मशीन से दुकानों के सामने सड़क तक फैले अतिक्रमण को हटाने का काम शुरू किया गया, जिसे देखकर हडकंप मच गया, कुछ लोगों ने अपने हाथों से ही अतिक्रमण हटाना प्रारंभ कर दिया है। ताया गया है कि नगर पालिका द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से पूरे नगर में एलाउंसमेंट करवाया जा रहा है कि जो भी दुकानदार अपनी दुकान के बाहर फुटपाथ में या सड़क पर सामग्री रखेगा या अतिक्रमण करेगा उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी लेकिन सूचना और चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण कारियों के द्वारा स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाए जाने से संयुक्त टीम के द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के लिए लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज, पन्ना । अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी द्वारा जिला और विकासखण्ड मुख्यालय पर आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक एवं समन्वयकों की ड्यूटी लगाई गई है। शिविर में सहभागिता के लिए 7 मई तक पंजीयन होंगे, जबकि 9 से 31 मई तक प्रतिदिन सुबह 6 से 8 बजे तक खेल शिविर लगाया जाएगा। जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन पन्ना में हॉकी के प्रशिक्षण के लिए खेल प्रशिक्षक निधि राय एवं वॉलीबाल के लिए सीनियर खिलाड़ी अरविन्द तिवारी की ड्यूटी लगाई गई है।

टीएल बैठक में हुई विभागवार अद्यतन प्रगति की समीक्षा

50 प्रतिशत लंबित प्रकरणों का निराकरण तीन दिवस में सुनिश्चित करें- कलेक्टर

पन्ना हरिभूमि न्यूज । कलेक्टर सुरेश कुमार ने सोमवार को कलेक्टेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दृष्टिगत विभागवार चयनित विषयों से संबंधित लंबित 50 प्रतिशत प्रकरणों का अनिवार्यतः तीन दिवस में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्थायी विषय के रूप में शामिल समस्त विभागों की 100 दिवस से अधिक समयावधि की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी आगामी 8 मई तक प्रभावी निराकरण करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने लंबित टीएल एवं जनसुनवाई पत्रों सहित नवीन शिकायतों का भी प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण की बात कही। साथ ही कहा कि समस्त विभागीय अधिकारी टीएल में दर्ज पत्रों पर कार्यवाही कर शीघ्रता से निराकरण कराएं।

कलेक्टर श्री कुमार ने कई बार निर्देश के बावजूद रैपुरा तहसीलदार चंद्रमणि सोनी एवं नगर परिषद गुनौर के सीएमओ रामचरण अहिरवार द्वारा एल 1 स्तर पर शिकायत अटेंड नहीं करने पर असंचयी प्रभाव से 2 वेतनवृद्धि रोकने संबंधी कार्रवाई के निर्देश भी दिए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा बाह्य प्रकरणों में नोटिस जारी कर अर्थदंड अधिरोपित करने के लिए भी कहा। उन्होंने नियमित रूप से प्रतिदिन प्रकरणों का रिव्यू करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। जिला कार्यालयों में जनसुनवाई में आने वाली जनता की सुविधाओं के मद्देनजर जनसुनवाई का बैनर अथवा बोर्ड भी लगवाएं। संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों से अनिवार्य रूप से संबंधित विभाग में पूर्व में समस्या निराकरण के लिए प्रस्तुत आवेदन के बारे में भी जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आम जनता के कार्य को गंभीरता से लें और स्वयं का व्यवहार ठीक रखें। अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी जनता के प्रति जवाबदेह बनने तथा सही दृष्टिकोण के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित करें। इस दौरान शिक्षा विभाग अंतर्गत नवीन शैक्षणिक सत्र में सहज रूप से छात्रवृत्ति मामलों में भुगतान के लिए पोर्टल पर सही डाटा इंद्राज करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया गया।

पोषण पुनर्वास केन्द्रों की सुविधा का मिले निरंतर लाभ-

जिला कलेक्टर ने टीएल बैठक में कहा कि जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में चिन्हांकित कुपोषित बच्चों को निरंतर रूप से पोषण और उपचार की सुविधा प्राप्त हो। समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी इस कार्य में वांछित सहयोग करें। किसी भी स्थिति में एक दिवस भी एनआरसी के बेड रिक्त न रहें। डिस्चार्ज उपरांत तुरंत नए बच्चे को दाखिल कराया जाए। इस संबंध में सीडीपीओ और सुपरवाईजर को आवश्यक निर्देश प्रसारित करने के लिए कहा। बैठक में स्थानीय निकायवार समग्र ई-केवाईसी रिपोर्ट और पेंशन हितग्राहियों की समग्र पोर्टल पर आधार लिंकिंग कार्य की समीक्षा भी की गई। साथ ही कोषालय सॉफ्टवेयर पर अब तक एम्पलाई आईडी से समग्र का सत्यापन नहीं कराने वाले शासकीय सेवकों सहित जिम्मेवार डीडीओ के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान संबंधित विभागों को लक्ष्य मुताबिक प्रगति लाने के निर्देश दिए। समस्त जनपद पंचायत सीईओ को अभियान के तहत इस सप्ताह तालाब एवं अमृत सरोवर में स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही डगवेल रिचार्ज कार्य में बढ़ोत्तरी के लिए भी कहा। इसी तरह जल संसाधन, नगरीय विकास, उद्योग, वन, राजस्व, कृषि, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी अविलंब निर्धारित कार्ययोजना अनुसार कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही मरम्मत योग्य कार्यों के पुराने, प्रगतिरत और कार्य पूर्णता की फोटो भी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक को पौधरोपण के लिए निर्धारित कार्ययोजनानुसार शासकीय व निजी औद्योगिक संस्थाओं में जरूरी कार्यवाही के लिए कहा। समस्त विभाग के अधिकारियों को जल संरक्षण कार्यों में जनअभियान परिषद से आवश्यक सहयोग प्राप्त करने तथा एक सप्ताह में ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा पटवारी से समन्वय कर जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने के लिए तहसीलदार को सूची सौंपने के निर्देश एवं तालाबों के अतिक्रमण हटाने के लिए भी निर्देशित किया।

आयुष्मान कार्ड में लाएं प्रगति-

टीएल बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को खण्डस्तरीय बैठकों में आयुष्मान कार्ड प्रगति की समीक्षा कर तेजी लाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके लिए ग्रामवार लंबित सूची अनुसार आशा कार्यकर्ता एवं मैदानी अमले को आवश्यक निर्देश के लिए निर्देशित किया। जिला कलेक्टर द्वारा 5 मई को गेहूं उपार्जन के अंतिम दिवस में आवश्यक तैयारियों एवं पूर्व से स्लॉट बुक करा चुके किसानों को टोकन के माध्यम से उपार्जन की सुविधा प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा गेहूं परिवहन के संबंध में नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा कार्य में तेजी लाने तथा खरीदी समिति द्वारा वाहन की व्यवस्था कर परिवहन कराने के निर्देश भी दिए। सोसायटी को निर्धारित दर पर मैपिंग वाले गोदामों में गेहूं परिवहन पर राशि का भुगतान किया जाएगा। एसडीएम एवं तहसीलदार को भी रेडी टू ट्रांसपोर्ट स्टॉक के परिवहन के लिए वाहन अधिग्रहण के निर्देश दिए। खराब मौसम के दृष्टिगत उपार्जित स्कंध की सुरक्षा के लिए तिरपाल उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक उपायों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने अजयगढ़ तहसीलदार को तुअर उपार्जन के लिए पंजीकृत मात्र 17 किसानों के पंजीयन के सत्यापन तथा आगामी 31 मई तक जिले के 17 केन्द्रों पर संचालित चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन कार्य के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश भी दिए।

ई-ऑफिस के कार्य में लाएं तेजी-

कलेक्टर ने कहा कि जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तत्काल जरूरी कार्यवाही पूर्ण कर लें। अब तक 51 विभागों के विरूद्ध 22 विभागों द्वारा जरूरी प्रक्रिया पूर्ण की गई है। शेष विभागों द्वारा भी गंभीरतापूर्वक प्रयास किया जाए। पन्ना जिले की वेबसाइट पर 7 विभागों से संबंधित जानकारी भी तीन दिवस में अपडेट करने के लिए तत्काल वांछित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

माँ कलेही धाम में श्रद्धालु ठंडे पानी को तरसे, वर्षों से बंद पड़े फ्रिजर बने शोपीस

इन्वर्टर खराब, सुरक्षा व्यवस्था पर भी खतरा

पवई हरिभूमि न्यूज । बुंदेलखंड की आस्था का प्रमुख केंद्र माँ कलेही धाम पवई इन दिनों मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। मंदिर परिसर में वर्षों पहले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाए गए तीन फ्रिजर अब शोपीस बनकर रह गए हैं। भीषण गर्मी में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु ठंडे पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं और मजबूरन दुकानों से बोतलबंद पानी खरीदने को विवश हैं। लापरवाही का आलम यह है कि न केवल फ्रिजर बंद पड़े हैं बल्कि मंदिर का इन्वर्टर भी एक सप्ताह से खराब पड़ा है। इससे बिजली गुल होने पर पूरी मंदिर परिसर की रोशनी प्रभावित हो जाती है।चार्जिंग बल्बों के सहारे जैसे-तैसे व्यवस्था संभाली जा रही है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। बिजली जाने पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद हो जाते हैं, जिससे सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। श्रद्धालुओं और स्थानीय जनों ने मंदिर समिति और प्रशासन से जल्द से जल्द इन समस्याओं के समाधान की मांग की है ताकि गर्मी में श्रद्धालुओं को राहत मिल सके और मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था भी सुचारू रूप से बहाल हो सके।

कलेक्टर ने नजूल शाखा का किया निरीक्षण

पन्ना हरिभूमि न्यूज। कलेक्टर सुरेश कुमार ने सोमवार को कलेक्टेट स्थित नजूल शाखा का निरीक्षण कर पुराने अभिलेखों के संधारण की व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान कार्यरत कर्मचारियों एवं उनके दायित्वों की जानकारी प्राप्त कर समस्त अभिलेखों के बेहतर संधारण के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर द्वारा दायरा पंजी, पुराने नक्शों व नजूल लीज एवं पट्टा वितरण व अतिक्रमण, निराकृत फाइल व नस्तियों का अवलोकन कर अभिलेखों को प्रकरण क्रमांक सहित निर्धारित क्रम एवं वर्षवार सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान नजूल तहसीलदार शाकम्भरी प्रसाद द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

पूर्व से सुरक्षा के मापदण्ड को लेकर कागजी कार्यवाही तक ही सीमित रह जाती है दास्ता

जिले में अचानक आंधी तूफान बारिश होने पर हजारों क्विंटल खरीदी केन्द्रों में गेंहू के भीगने के कारण बर्बाद

पन्ना हरिभूमि न्यूज । जिले में खरीदी केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे जहां हजारों क्विंटल गेंहू भीगने की खबरें चर्चा में हैं आखिर प्रतिवर्ष गेंहू भीगने की दास्ता इन दिनों आ जाती है। जबकि एक बार सबक लेने के बाद उसमें सुधार को लेकर कार्यप्रणाली को अंजाम दिया जाना चाहिए। कहने को तो कागजी कार्यवाही तो तुलाई के लिए लेवर तथा परिवहन व्यवस्था वहीं सुरक्षा को लेकर मापदण्ड तय किये जाते है। पर यह महज कागजी कार्यवाही तक सीमित हो जाते हैं हालात भर्रेशाही के चलते वही विगत वर्ष के जैसे हालात तो कहीं परिवहन की समस्या तो कहीं लेवर न होने के कारण किसान स्वयं ही अपने गेंहू के तुलाई करने के लिए लेवर लाने को मजबूर। वहीं शासन के द्वारा लेवर को तुलाई के लिए निर्धारित राशि की व्यवस्था को लेकर जब मापदण्ड बनाये गये तो फिर पालन कौन करायेगा। वहीं वर्तमान समय में विगत दिवस से लेकर हालात आंधीपानी के कारण जहां कई खरीदी केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे गेंहू होने के कारण अचानक बारिश के चलते भीगने के हालात के कारण बर्बादी की दास्ता तय हुई यह पहली बार नहीं हुआ विगत वर्ष भी आचानक बारिश के चलते यही स्थिति नजर आई थी आखिर इस वर्ष पिछले वर्ष की समस्या घटित होने के बाद ही सुधार की दिशा जो तय होने चाहिए थी उसका पालन नहीं कराया गया। आखिरकार शासन हजारों क्विंटल गेंहू की बर्बादी की क्षति जो होती है उसका जिम्मेदार कौन है। कहीं न कहीं कार्यप्रणाली में जिम्मेदारों की मनमानी कहें या कि शासकीय कार्य आज भी कहीं न कहीं भर्रेशाही के आलम को लेकर हालात बने हुए है। आखिरकार आम जनता में क्या संदेश देना चाहते है जिन्हें दायित्व दिया गया खरीदी केन्द्रों में कहीं लेवर नहीं तो कहीं परिवहन व्यवस्था ठप्प तो कहीं खुले आसमान में गेंहू के बर्बादी के हालात आखिर स्वयं के घरों में जब पानी आने की दास्ता निर्मित होती है तो क्या अपने घर में अपने आनाज को खुले आसमान के नीचे छोड़ देते है। पर यह तो शासकीय है यह भावना जो बर्बादी को लेकर सामने आती है आखिरकार शासकीय सम्पत्ति भी हमारी सम्पत्ति है यह कब जागेगें। जहां जिम्मेदारों को बाखूबी शासन के द्वारा मानदेय व व्यवस्था संचालित करने के लिए जिम्मेदारी दी गई है फिर भी लापरवाही आखिर कब जिम्मेदारों को किया जायेगा सजग या इसी तरह हालात बने रहेगें। देखना यह है कि आगे होता है सुधार की नहीं।

ग्राम पंचायत पटोरी में सामुदायिक भवन निर्माण में डस्ट का उपयोग, ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, गुणवत्ता पर उठे सवाल

पवई हरिभूमि न्यूज । जनपद पंचायत पवई की ग्राम पंचायत पटोरी में बनाए जा रहे सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में रेत या मानक सामग्री की जगह डस्ट का उपयोग किया जा रहा है, जिससे भवन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण स्थल पर सीमेंट व कंक्रीट के बजाय भारी मात्रा में डस्ट मिलाया जा रहा है, जो भवन की मजबूती को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि इसी तरह निर्माण जारी रहा, तो भवन कुछ ही वर्षों में जर्जर हो सकता है। वही ग्राम पंचायत से मिली जानकारी क़े अनुसार उक्त निर्माण कार्य विधायक निधि से किया जा रहा हैं एवं विधायक निधि क़ो ठिकाने लगाने का प्रयास किया जा रहा हैं।

पंचायत करवा रही गुणवत्ता विहीन कार्य- ग्रामीणों का आरोप ग्रामीणों ने पंचायत पर सीधे तौर पर गुणवत्ता विहीन कार्य करवाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस पूरे कार्य में पारदर्शिता की कमी है और निर्माण मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। स्थानीय निवासीयों ने बताया, ष्हमने कई बार पंचायत से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यह सरकारी धन की बर्बादी होगी। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की मांग की है और जिला प्रशासन से अपील की है कि वे जल्द से जल्द इस मामले में संज्ञान लें।

रैपुरा थाना क्षेत्र से लापता 2 वर्षीय मासूम बच्ची को पुलिस टीम ने सूचना के 12 घण्टे के अंदर किया गया दस्तयाब

गुम बच्ची को सकुशल वापस पाकर माता-पिता ने पुलिस टीम को दिया धन्यवाद

पन्ना हरिभूमि न्यूज। पुलिस मुख्यालय द्वारा गुम बालक-बालिकाओं की तलाश पतासाजी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस. थोटा द्वारा विभिन्न मामलो में गुम-अपहृत बालक-बालिकाओं की अधिक से अधिक दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में फरियादी कैलाश चौधरी निवासी ग्राम चङरा थाना सिमरिया ने थाना रैपुरा उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि वह ग्राम बीरमपुर थाना रैपुरा मे अपने रिश्तेदार के यहां शादी मे आया था जहां शादी समारोह के दौरान उसकी 02 वर्षीय नाबालिग बच्ची को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है फरियादी की रिपोर्ट पर थाना रैपुरा मे अपहरण का अपराध क्रमांक 89/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया एवं थाना प्रभारी रैपुरा द्वारा उक्त घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारयों को दी गई। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुये नाबालिग बच्ची को दस्तयाब करने हेतु पुलिस टीम गठित कर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान व एस.डी.ओ.पी. पवई श्री राजेन्द मोहन दुवे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रैपुरा उनि. संतोष सिंह यादव के नेतृत्व मे 02 पुलिस टीमो का गठन किया जाकर अपहृत बच्ची की तलाश-पतारसी हेतु रवाना किया गया। पुलिस टीमो द्वारा पूरी तत्परता से घटना स्थल के नजदीक ग्रामीण क्षेत्रो मे उक्त बच्ची के सम्बंध मे पूछताछ की गई साथ ही घटना स्थल ग्राम बीरमपुर जंगल से लगे होने के कारण पुलिस टीमो द्वारा जंगल की सर्चिंग की गई एवं आस-पास के गांव मे उक्त बच्ची के अपहृत होने सूचना एवं फोटो प्रसारित की गई। इसी दौरान जब बच्ची की खोज मे लगी पुलिस टीमे ग्राम सोनमउ कछरा थाना रैपुरा पहुंची तो उक्त बच्ची एक वृद्ध महिला(दादी) के पास रोती हुई मिली। पुलिस टीम द्वारा वृद्ध महिला(दादी) के पास अपहृत बच्ची के पहुंचने के बारे मे पूंछने पर उन्होने बताया कि उक्त बच्ची उन्हे पास के जंगल मे अकेले रोते हुये मिली जिससे वो उसे घर ले आई है। जिसपर पुलिस टीम द्वारा उक्त गुम/अपहृत 02 वर्षीय नाबालिग बच्ची को सूचना के 12 घण्टे के अंदर खोज कर सुरक्षित उसके माता-पिता को सुपुर्द किया गया।

सराहनीय योगदान-

संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी रैपुरा उनि. संतोष सिह यादव, सउनि यशवंत सिह ,प्र.आर. चांदनी जैन, प्र.आर. चालक रवि खरे, आर. आलोक सिह, अतुल सिह, गोविन्द अहिरवार, राजेश पटेल, म.आर. सुल्ताना बी का सराहनीय योगदान रहा।

खबर संक्षेप

सुंदरकांड से संतति और संस्कृति दोनों सुरक्षित रहेंगे: पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

हरिभूमि न्यूज छतरपुर।

जिले के सिद्धपीठ आश्रम बागेश्वर धाम में विगत रोज जिले भर के सुंदरकांड मंडलों का महासम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में करीब एक सैकड़ा सुंदरकांड मंडल शामिल हुए । बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मंडलों से संवाद करते हुए कहा कि इससे गांव-गांव धर्म की अलग जगेगी और सुंदरकांड पाठ से हमारी संतति के साथ-साथ संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी। उन्होंने सुंदरकांड मंडल गठित किए जाने के उद्देश्य और इसके लाभ भी लोगों को बताये। जानकारी के मुताबिक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले भर के सुंदरकांड मंडल रविवार दोपहर 12 बागेश्वर धाम पहुंचे यहां उन्होंने बालाजी के दर्शन किए इसके बाद अन्नपूर्णा रसोई में इक_ हुये। शाम को सामूहिक सुंदरकांड पाठ हुआ इसके बाद महाराज श्री ने यहां आए सभी सुंदरकांड मंडलों से संवाद किया। बागेश्वर धाम पीठ के महराज श्री ने सुंदरकांड मंडलों के सदस्यों से कहा कि वह गांव गांव सुंदरकांड का पाठ करें और लोगों को इक_ा करें। उन्होंने कहा इस तरह के आयोजन से न केवल बच्चों और परिवार में संस्कार बेहतर रहेंगे बल्कि संस्कृति भी बची रहेगी। सुंदरकांड मंडलों को इक_ा करने में बागेश्वर धाम जन सेवा समिति के सचिव राजेंद्र मिश्रा, छतरपुर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी, सुंदर रैकवार, धीरज शर्मा पप्पू, ओमप्रकाश तिवारी, बिहारी लाल गुप्ता बड्डे आदि का विशेष सहयोग रहा। महाराज श्री ने सुंदरकांड मंडलों को बताए पांच फायदे बागेश्वर महाराज ने कहा कि सुंदरकांड मंडलों को इक_ा करने का यह उद्देश्य है कि देशभर में सनातन के लिए लोग एकजुट होंगे। देश भर के सुंदरकांड मंडल जुड़ेंगे, शुरुआत जिले से की जा रही है। मंडलों को इक_ा करने से पांच फायदे देखने को मिलेंगे। गांव गांव में सुंदरकांड मंडलों में लोगों को इक_ा किए जाने से जातिवाद का भेद मिटेगा और खंडहर मंदिरों का जीर्णोद्धार होगा, गांव में नशाखोरी रुकेगी, आपसी सौहार्द बढ़ेगा और एक जुटता आएगी, मंडल के माध्यम से लोगों में जुड़ाव बढ़ेगा, इसके अलावा गांव-गांव बालाजी की भक्ति का प्रचार होगा। महाराज श्री ने मंडलों से आह्वान किया कि वह उनकी पदयात्रा में शामिल हो। उन्होंने सभी मंडलों से कहा कि हर तीन माह में बागेश्वर धाम में बैठकर एक मीटिंग होगी जिसमें तमाम बिंदुओं पर चर्चा होगी। सुंदरकांड पाठ के बाद सभी मंडलों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

पुलिस ने एक दर्जन इनामी अपराधियों को दबोचा

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में छतरपुर पुलिस ने जिला स्तरीय अभियान चलाकर लंबित आपराधिक मामलों में फरार 12 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 25 वर्ष तक पुराने हत्या के प्रयास, अपहरण, दुष्कर्म, चोरी, छेड़छाड़, धोखाधड़ी, मारपीट, अवैध हथियार और विस्फोटक अधिनियम के मामले शामिल हैं। कुल 99 हजार रुपये के इनामी आरोपियों की धरपकड़ कर पुराने मामलों का निराकरण किया जा रहा है। नौगांव पुलिस ने 25 वर्ष पुराने अपहरण-दुष्कर्म मामले में सुल्तान खान (मऊ सानिया, महोबा, उत्तर प्रदेश) और 17 वर्ष पुराने हत्या के प्रयास में सुघर सिंह खंगार (जराखर, हमीरपुर) को पकड़ा। मातगुवां पुलिस ने 10 वर्ष पुराने लूट और एनडीपीएस मामले में छोटे लल्ला उर्फ सत्येंद्र उर्फ सुधीर (शंकरगढ़, कानपुर) को गिरफ्तार किया। बमनौरा पुलिस ने 2 वर्ष पुराने मारपीट मामले में किशोरी राजा (रामटोरिया) को पकड़ा। जुझारनगर पुलिस ने 3 वर्ष पुराने मारपीट और अवैध हथियार मामले में राकेश अहिरवार (कसार) और 25 वर्ष पुराने छेड़छाड़ मामले में देवी सिंह (महाराजपुर) को गिरफ्तार किया। बिजावर पुलिस ने 7 वर्ष पुराने चोरी मामले में सिकंदर खान (समद नगर, महोबा, उत्तर प्रदेश) को पकड़ा। बमीठा पुलिस ने 14 वर्ष पुराने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम मामले में गोपी यादव (खरगापुर, टीकमगढ़) को गिरफ्तार किया और 22 वर्ष पुराने डकैती-दुष्कर्म मामले का निराकरण किया। गौरिहार पुलिस ने 17 वर्ष पुराने चोरी मामले में राजू अहिरवार (इचौली, हमीरपुर) को पकड़ा। गढ़ी मलहरा पुलिस ने 17 वर्ष पुराने धोखाधड़ी मामले में जानकी कुर्मी (डुमरा) को गिरफ्तार किया। ओरछा रोड पुलिस ने 21 और 20 वर्ष पुराने चोरी के मामलों में शहीदुल उर्फ लादेन (पन्ना) को पकड़ा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह अभियान फरार अपराधियों की धरपकड़ और लंबित मामलों के निपटारे के लिए जारी रहेगा।

समिति प्रबंधकों को शॉर्ट डालने की दी जा रही धमकी जिस समिति प्रबंधक भी 51 किलो की कर रहे तोल

शाखा प्रबंधक मिश्रा की मिलीभगत से सालों से घटिया किस्म के गेहूँ का हो रहा वेयरहाउस में भण्डारण

हरिभूमि न्यूज छतरपुर।

शासन की मंसा है कि बेयरहाउसों मे एफक्यु क्वालिटी का गेहूँ रखा जाए, क्योंकि यही गेहूँ पीडीएस योजना के तहत राशन की दुकानों तक पहुचायां जाता हैं। और राशन की दुकानों से यह गेहूं गरीब लोगों को वितरित होता है। अगर गरीबों को घटिया किस्म का गेहूँ वितरित किया जाएगा, तो इससे शासन की बदनामी होगी। लेकिन बेयर हाउस के मैनेजर रामअवतार मिश्रा जिन्हे अच्छा गेहू बेयर हाउस में रखवाने की जिम्मेदारी सौपी गई है, लेकिन बह अपनी जिम्मेदारी का पूरी तरह से निर्वाहन नही कर रहे है। सिर्फ अधिक लाभ कमाने के चक्कर में घटिया किस्म के गेहूँ का संग्रहण बेयर हाउस में करवा रहे। चुकि समितियों द्वारा बिना छना गेहूँ बेयर हाउस भेजा जा रहा है। बेयर हाउस में किसी भी प्रकार की आपप्ति गेहू रखने में ना लगाई जाए, इसके बदले में मनचाहा कमीशन समिति प्रबधकों से तय किया गया है। इसीलिए जो ट्रक बिना एफक्यु क्वालिटी का गेहुँ लेकर आते है उसकी बिना जाचं किए हुए रखवा दिया जाता है। 51 किलो कि तोल की बोरी जो आ रही है उनमें अधिकतर बोरियों में टैग लगा नही रहता और ना ही छापा रहता है। शासन के स्पष्ठ निर्देश है कि जूट की बोरी में 50 किलो 600 किलोग्राम की भर्ती कि जाए लेकिन बेयर हाउस मैनेजर समिति प्रबंधकों पर दबाव बनाते है कि 51 किलो की तौल की बोरी लाए जाए नही तो शार्ट दिखा दिया जाएगा।

चपरासियों के भरोसे चल रहे वेयर हाउस, परखी लगाकर नहीं की जाती जाँच -

जो ट्रक गेहूं लेकर बेयर हाउस आ रहें है उनमें रखी हुई बोरियो की परखी लगाकर जांच नही की जाती है, नियम अनुसार ट्रक में जितनी बोरियों की छल्ली लगी होती है, हर छल्ली की एक बोरी से परखी लगाकर जांच कि जानी चाहिए, लेकिन बेयर हाउस मैनेजर कि मनमानी और कमीशन खोरी के चलते ट्रक में कभी कभार केवल एक बोरी में परखी लगाकर जाचं की जाती है चुकि इस बर्ष गेहुँ की आवक अधिक है। इसलिए पिछले 2 सालो का घाटा बेयर हाउस मैनेजर पूरा करने चाहते है।

वेयर हाउस मैनेजर रामअवतार मिश्रा की कार्यशैली शुरू से ही चर्चाओं में रही है। लेकिन पता नही किन कारणों से वह छतरपुर छोड़ नही पा रहे है छतरपुर की सोंधी माटी की खुशबु उन्हें बहुत ही भा रही है इसलिए स्थानतंरण होने के कुछ दिनों बाद छतरपुर फिर से स्थानांतरण करा लेते है।

3 समितियों का उपार्जन का काम स्वयं देख रहे, कई समिति प्रबंधकों ने लगाया आरोप -

सुत्रो से जानकारी मिली है कि बेयरहाउस मैनेजर ने 3 समितियां अप्रप्यक्ष रूप से गोद ले रखी है। इन समितियो में मातगुवां, मोरबा, बगौता समिति शामिल है। इसलिए गेहूँ खरीदी के दौरान यह देखा गया है कि इन समितियों में बारदाना समय पर पहुचाना और समय पर परिवाहन करना के अलावा सभी काम प्रमुखता से होते है। जबकि अन्य समितियों के प्रबंधक लगातार बारदाना और परिवहन की मांग करते रहें, लेकिन उनकी मागों पर ध्यान नही दिया गया। तीन समितियों पर पूरी तरह से मेहरबान रहे। मोरबा समिति शुरू से खरीदी के लिए चर्चा में रही, लेकिन इसके बाद भी बिना जाचं पड़ताल किए मोरबा समिति का गेहुँ पहले बेयर हाउस में रखवाया गया। यह भी चर्चा है कि मोरबा समिति से सबसे अधिक गेहूं खरीदा गया और यह गेहूं किसानो का कम व्यापारियो का ज्यादा रहा, लेकिन बेयरहाउस मैनेजर की छत्रछाया होने के कारण किसी अधिकारी ने जाचं करने की हिम्मत तक नही जुटाई।

विवादों से घिरा रहा मैनेजर का कार्यकाल

वेयर हाउस मैनेजर रामअवतार मिश्रा का कार्यकाल छतरपुर में विवादो से घिरा रहा है।

छतरपुर में दुसरी वार पदस्थ हुए है पूर्व में बेयर हाउस शाखा प्रबंधक पर 20 जनवरी 2011 से 15 नवम्वर 2017 तक पदस्थ रहे और यह कार्यकाल उनका विवादो से भरा रहा इस कार्यकाल में उन्होने में धामची में खुले में हजारो बोरी गेहू रखवा लिया, सिर्फ उस पर बरसाती डाली गई थी, लेकिन भीषण बारिश के चलते यह गेहुँ पूरा भीग गया था। इस मामले ने काफी तुल भी पकड़ा था क्योकि गेहुँ भीगने के कारण प्रशासन को काफी नुकसान भी हुआ था, लेकिन सुविधा शुल्क के चलते जिले से लेकर प्रदेश तक के अधिकारी शांत रहे और मामला धीरे-धीरे शांत होता चला गया। दूसरी पदस्थापना उनकी 28 अक्टूवर 2018 में हुई और तभी से लगातार इस मलाईदार पद पर जमें हुए है इस मलाईदार पद पर रहकर उन्हौने जितना भ्रष्टाचार किया है उसकी कोई सीमा नही है।

जिले में कई तरह की चर्चाएं हैं कि छतरपुर में रहते हुए उन्होनें अरबों कि सम्पति हासिल की है। जो आय से अधिक आकी जा रही है, वर्तमान में वेयर हाउस प्रबंधक श्री मिश्रा, नान प्रबंधक और डीएसओ कार्यलय का संचालन अपने हिसाब से करते हैं, के आरोप समिति प्रबंधकों द्वारा लगाया जा रहे हैं।

पल्लेदारो की भर्ती के नाम पर होता खेल -

गेहूँ के परिवहन एव संग्रहण के दौरान बेयर हाउस में पल्लेदारो की आवश्यकता पड़ती है लेकिन वेयर हाउस मैनेजर पल्लेदारों की भर्ती के नाम पर भी बड़ा फर्जीवाड़ा करते है। पल्लेदारो की मस्टर में दुगनी संख्या दर्शाकर भुगतान प्राप्त करते है इसमें लाखो का खेल होता है अगर प्रशासनिक अधिकारी बेयर हाउस मैनेजर की क्रिया कलापो की जांच कराए तो बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर होगा इसलिए समय रहते अधिकारियों को चाहिए की बेयर हाउस में संगहण किए जाने बाले गेँहु की जाचं कराई जाए, ताकि क्वालिटी उजागर हो सके और इनकी कमीशनखोरी का भी पर्दाफाश हो जाए।

भागवत कथा में राम जन्मोत्सव की हुई कथा

हरिभूमि न्यूज छतरपुर। जिले कि जनपद राजनगर अंतर्गत खेरी ग्राम के हनुमान कुटी आश्रम पर श्री राम महायज्ञ अष्टादस पुराण एवं नवनिर्मित मंदिर में श्री राम जानकी (राम दरबार) की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भव्य समारोह के तहत आयोजित किया जा रहा है, इसी तारतम्य में संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है जो की हनुमान कुटी आश्रम खेरी में 9 मई तक आयोजित है।

बीती रात आयोजित संगीत मय श्री राम कथा में राम कथा प्रवकतक मधु श्री जी हरिद्वार उत्तराखंड के श्री मुख से भगवान श्री राम के जन्मोत्सव का बड़े ही भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुतिकरण दिया गया, इस भागवत कथा में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव की कथा के दौरान यहां उपस्थित हजारों की संख्या में कथा रसिक प्रेमी एवं धर्म प्रेमियों ने धर्म की गंगा में डुबकी लगाते हुए बड़े ही आनंदित होकर भावपूर्ण तरीके से कथा का रसपान करते हुए नृत्य भी किया ।

संगीत मय श्री राम कथा के इस आयोजन में श्री प्रकाशनंद महाराज सहित कई संत यहां उपस्थित हैं तथा कथा के मुख्य यजमान श्रीमती जानकी बद्री प्रसाद पांडे एवं यज्ञाचार्य शिव दत्त शुक्ला हैं उक्त इस आयोजन में सुनील पांडे तथा सुशील पांडे के द्वारा कथा में सम्मिलित सभी जनों का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया ।

ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार की शिकायत से बौखलाए सरपंच-सचिव ने थाने में की झूंठी शिकायत

सरपंच के ससुर दे रहे धमकी, फरियादी ने एसपी को दिया आवेदन

हरिभूमि न्यूज छतरपुर/गौरिहार। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत महयाबा में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत करने पर गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ सरपंच-सचिव ने संबंधित थाने में झूठी शिकायत की है, यही नहीं सरपंच के ससुर ने शिकायत वापिस करने की धमकी भी दी है। इस मामले में सोमवार को फरियादी ने एसपी को आवेदन देकर हस्तक्षेप कर जांच करने की मांग की है।

शिकायत की तो थाने में दिया झूठा आवेदन -

महयाबा निवासी अभिषेक बुंदेला ने एसपी को आवेदन देते हुए बताया कि मेरे द्वारा ग्राम पंचायत में हुए लाखों के घोटालों की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की थी जिससे नाराज होकर सरपंच-सचिव ने गोयरा थाने में मेरे खिलाफ झूठी शिकायत की है। इसके अलावा सरपंच के ससुर भगवतदीन पाल द्वारा लगातार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ति किया जा रहा है।

चाहे जितनी शिकायत करो हमारी पहुंच ऊपर तक है -

अभिषेक ने बताया कि सरपंच के ससुर द्वारा कहा जा रहा है कि जो तुम्हारे द्वारा शिकायत की गई है उससे हमारा कुछ नहीं बिगड़ने वाला है। तुम चाहे जितनी शिकायत करो हमारी पहुंच बहुत ऊपर तक है। इन तमाम धमकियों से मैं डरा हुआ हूं और घर से नहीं निकल पा रहा हूं। फरियादी ने एसपी को बताया कि आए दिन मिल रही धमकियों और थाना में झूठी शिकायत करने के बाद मेरे द्वारा आपको आवेदन दिया गया है जिसकी निष्पक्षता से जांच की जाए और अनावेदक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

तेज हवा और बूंदाबांदी ने बनाया मौसम सुहावना, उमस से मिली राहत

हरपालपुर। सोमवार को हरपालपुर में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे, लेकिन दोपहर करीब 2:30 बजे तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी ने गर्मी से राहत दी। करीब पांच मिनट तक हुई बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। दोपहर में आसमान में घने काले बादल छाए, जिससे उमस से राहत मिली। हल्की ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से निजात दिलाई। इस दौरान बिजली आपूर्ति भी कुछ समय के लिए बाधित रही। इसके बाद हल्की धूप और ठंडी हवाओं का दौर जारी रहा। दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सिंगरौली जिले के डी.एम.एफ. के हजारों करोड़ रूपये का हुआ दुरूपयोग जिससे जिले के लाखों लोग है बेसिक सुविधाओं से अभी तक वंचित

हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने जारी किया नोटिस... जिले के समाजसेवी घनश्याम पाठक ने लगाई है जनहित याचिका

हरिभूमि न्यूज:सिंगरौली

जिला प्रदेश में नहीं बल्कि पूरे देश में कोयला एवं विद्युत उत्पादन के लिये जाना जाता है जहाँ कि नार्दन कोल्डफील्ड लिमिटेड (एनसीएल) की 12 खदानें संचालित है इसके अतिरिक्त कई प्रायवेट कंपनियों की कोयला खदाने भी संचालित है। जिले में एन.टी.पी.सी., रिलायंस, एस. आर. हिंडाल्को, इत्यादि कंपनी के पावर प्लांट भी संचालित हो रहे है जिसमें लाखो टन कोयले का उत्पादन प्रतिमाह होता है, इसके अतिरिक्त जिले में रेत, गिटटी, पत्थर मुरम व अन्य तरह के खनिज संसाधन की भी प्रचुरता है जिससे जिले में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (DMF) के तहत हजारो करोड़ रूपये एकत्रित होता है जो कि जिले में खनिज एवं ओद्योगिक इकाईयों से प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिये एकत्रित किया जाता है किन्तु राजनैतिक एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप के कारण उक्त राशि का उपयोग जिले में न होकर स्टेट मिनरल फाउंडेशन के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में किया जाता है जो कि पूरी तरह से अनुचित एवं अवैधानिक है. उक्त अनियमितता को ध्यान में रखकर जिले के वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम पाठक ने माननीय उच्च न्यायालय मुख्यपीठ के समक्ष अधिवक्ता ब्रहमेन्द्र पाठक के माध्यम से जनहित याचिका प्रस्तुत की है जिसमें 29.04.2025 को माननीय मुख्य न्यायाधिपति सुरेश कुमार कैत एवं माननीय न्यायाधिपति विवेक जैन की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ब्रहमेन्द्र पाठक ने प्रकरण को विस्तार से प्रस्तुत कर यह तर्क रखा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान (DMF) का गठन माईन्स एवं मिनरल (डेप्लपमेंट एडं रेग्युलेशन) एक्ट 1957 के अंर्तगत किया गया है जिसमें राज्य शासन ने 2016 में म.प्र. जिला खनिज प्रतिष्ठान नियम 2016 निर्मित किया है जो पूरी तरीके से अलाभकारी ट्रस्ट के रूप में भारतीय न्यास अधिनियम 1882 के अधिनियम के अंर्तगत कार्य करेगा अर्थात इसका उद्धेश्य किसी लाभ को अर्जित करना नहीं बल्कि खनिज संक्रियाओं से प्रभावित लोगो के उत्थान के लिये कार्य करना होगा, प्रारंभिक तौर पर उक्त नियम में यह व्यवस्था थी कि जिले में एकत्रित डी.एम.एफ. राशि का 50 प्रतिशत उपयोग उसी जिले में विकास कार्यों में किया जायेगा जबकि शेष 50 प्रतिशत की राशि राज्य खनिज प्रतिष्ठान में निहित होकर प्रदेश के अन्य जिलों में जहाँ खनिज संकियाओं से प्रभावित लोग है उनके लिये किया जायेगा, किन्तु उक्त उद्देश्य राजनैतिक हस्तक्षेप एवं प्रशासनिक उदासीनता के चलते अपने मूल स्वरूप में कार्य नहीं कर रहा है। उदाहरण के तौर राज्य शासन ने 09.11.2020 को उक्त नियम में संशोधन कर जिले में खर्च होने वाली राशि को 50 प्रतिशत से सीमित कर 25 प्रतिशत कर दिया है अर्थात 25 प्रतिशत उसी जिले में तथा शेष 75 प्रतिशत प्रदेश के अन्य जिलों में उपयोग की जा सकेगी। इसके पश्चात राज्य शासन ने पुनः 25.08.2022 को नियम में एक अन्य संशोधन कर जिले में उपयोग होने वाली राशि की अधिकतम सीमा केवल 50 करोड रू निर्धारित कर दी तथा शेष राशि राज्य खनिज प्रतिष्ठान के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में उपयोग किये जाने हेतु नियम बना दिया जो कि पूरी तरह से अवैधानिक तथा मनमाना था।

प्रस्तुत जनहित याचिका 2023 में प्रस्तुत की गई थी जिसमें उक्त समस्त बातों को प्रमुखता से उठाया गया है किन्तु तातकलिक मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने इस संबंध में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा था जिसके पश्चात याचिकाकर्ता ने आर.टी.आई. के माध्यम संपूर्ण दस्तावेज निकलवाये साथ ही अधिवक्ता ब्रहमेन्द्र पाठक ने उक्त प्रकरण पर रिसर्च वर्क कर तमाम रिपोर्ट के प्रमुख दस्तावेज प्रकरण में प्रस्तुत किये जिससे यह बात स्पष्ट हुई कि जिले के शोषित और वंचित लोग आज भी पीने के पानी, स्वास्थ्य सुविधा, स्कूल, रोड़, इत्यादि मूलभूत सुविधाओं से वंचित है साथ ही कोयला खनन एवं पावर प्लांट से होने वाले धुर्वे से उनका जनजीवन पूर्णतः प्रभावित है। याचिकाकर्ता ने सी.एस.ई. डेटा सेंटर द्वारा 2018 में तैयार की गई राष्ट्रीय स्तर के सर्वे में आई रिपोर्ट के दस्तावेज को भी याचिका के साथ संलग्न किया है जिसमें यह इंगित किया गया है कि सिंगरौली जिला देश के अत्याधिक बैकवर्ड एवं पिछडे जिलों में शामिल है जहाँ आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है यह अपने आप में हस्यास्पद है कि जो सिंगरोली जिले पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व राज्य सरकार को देता है वहाँ के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है जिसमें यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि जिले में दृढ राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव होना भी दर्शित करता है।

स्कूल प्रेम से शुरू हुई प्रेम कहानी शादी तक पहुंची, अब जान को खतरा...!

हरिभूमि न्यूज छतरपुर

जिले के बकस्वाहा थाना क्षेत्र के रहने वाले एक प्रेमी जोड़ ने स्कूल के दिनों में शुरू हुए अपने प्रेम को शादी के बंधन में बांध लिया है लेकिन लड़की के परिजनों की इस पर आपत्ति है जिससे परेशान होकर प्रेमी जोड़े ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। दोनों ने स्पष्ट किया है कि वे दोनों बालिग हैं और उन्होंने स्वेच्छा से विवाह किया है। बकस्वाहा थाना क्षेत्र के ग्राम किशनपुरा की रहने वाली सरस्वती कुशवाहा ने बताया कि वह स्कूल के दिनों से बकस्वाहा निवासी पुष्पेंद्र लोधी से प्रेम करती है। पिछले दिनों दोनों ने बिना किसी दबाव के प्रेम विवाह कर लिया जिस पर उसके परिजनों को आपत्ति है और वे परेशान कर रहे हैं। वहीं पुष्पेंद्र लोधी ने बताया कि उसने सरस्वती से स्वेच्छा से विवाह किया है। प्रेमी जोडऩे का कहना है कि वे बालिग हैं और अपनी मर्जी से शादी की है। हम एक साथ खुश हैं और सुरक्षित रहना चाहते हैं। प्रेमी जोड़े ने एसपी कार्यालय में आवेदन देकर परिजनों से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

एनटीपीसी विंध्याचल में फिटनेस का जश्न: विंध्य क्लब की 7-दिवसीय वॉक/रन चैलेंज रही अभूतपूर्व

हरिभूमि न्यूज: सिंगरौली एनटीपीसी

विंध्याचल टाउनशिप में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर नया जोश देखने को मिला, जब विंध्य क्लब द्वारा आयोजित 7-दिवसीय वॉक/रन चैलेंज में 121 लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कर्मचारियों और उनके परिवारजनों सहित इन प्रतिभागियों ने रोजाना कम से कम 2 किलोमीटर चलने या दौड़ने का लक्ष्य अपनाया।

इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि 80 प्रतिभागियों ने सातों दिन नियमित रूप से चलकर या दौड़कर इस चुनौती को पूरा किया। सामूहिक रूप से उन्होंने 4,430 किलोमीटर की दूरी और 772 घंटे की मेहनत से यह दिखा दिया कि फिट रहना केवल व्यक्तिगत लक्ष्य नहीं, बल्कि सामुदायिक प्रयास भी हो सकता है। 4 मई 2025 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में श्री ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकरी निदेशक (विंध्याचल), डॉ. बीसी चतुर्वेदी, मुख्य महाप्रबंधक(चिकित्सा), श्री राकेश अरोड़ा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल), श्री सुमन कुमार सिंह अपर महाप्रबंधक (प्रचालन) तथा श्री संदीप कोहली अपर महाप्रबंधक (ईएमडी) उपस्थित रहे।

इन सभी ने प्रतिभागियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ न केवल स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं, बल्कि पूरे टाउनशिप में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार भी करती हैं। विंध्य क्लब की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि जब समुदाय साथ आता है, तो फिटनेस एक उत्सव बन जाता है।

खबर संक्षेप

चोरी की वारदात का लालगांव चौकी पुलिस ने किया खुलासा, जेठानी की बहन निकली आरोपी

हरिभूमि न्यूज रीवा। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र की लालगांव चौकी अंतर्गत पनगढ़ी गांव में कुछ दिन पहले हुई सोने के हार की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि चोरी की साजिश किसी बाहरी ने नहीं, बल्कि घर की ही एक महिला रिश्तेदार ने रची थी। आरोपी महिला पीड़िता की जेठानी की सगी बहन है, जो रिश्तेदारी की आड़ में घर आई थी और मौका देखकर गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना का खुलासा करते हुए लालगांव चौकी प्रभारी आरबी सिंह ने बताया कि पनगढ़ी गांव निवासी सुशीला यादव ने बीते दो दिन पहले शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से कीमती सोने का हार चोरी हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और घर के अंदर आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस की नजर एक महिला रिश्तेदार पर गई, जो हाल ही में सुशीला यादव के घर आई थी। शुरुआती पूछताछ में वह लगातार गुमराह करती रही, लेकिन पुलिस की सतर्कता और सटीक पूछताछ के चलते आखिरकार उसने चोरी की बात कबूल कर ली। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अलमारी से सोने का हार चुराया और उसे अपने पास छुपाकर रखा था। महिला की निशानदेही पर पुलिस ने उस स्थान से हार बरामद कर लिया, जहां उसने उसे छिपा रखा था। आरोपी को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। चौकी प्रभारी ने बताया कि आरोपी महिला अपनी बहन के घर घूमने के बहाने आई थी, लेकिन पहले से ही उसने चोरी की योजना बना रखी थी।

सेंधमारी कर चोरों ने वारदात को दिया अंजाम जेवरात और नकदी समेत लाखों की सामग्री पार, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज रीवा। जिले में चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। ताजा मामला रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के हनुमानपुर गांव से सामने आया है, जहां अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पार कर दिए। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने घर की पिछली दीवार में सेंध लगाकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की इस वारदात से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, हनुमानपुर निवासी रामायण पाल के घर को चोरों ने उस समय निशाना बनाया जब परिवार खेत पर गया हुआ था। देर रात चोर दीवार काटकर घर में दाखिल हुए और अलमारियों को खंगालते हुए सोने-चांदी के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। बताया गया है कि करीब साढ़े तीन तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी के गहने और लगभग 60 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं। इतना ही नहीं, चोर घर से कीमती सामान निकालने के बाद उन्हें खेत की ओर ले गए, जहां अटैची और पेटी तोड़कर उसमें से सामान निकाला और सबूत मिटाने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही रायपुर कर्चुलियान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए।पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में जब लोग घरों से बाहर खेतों या अन्य कार्यों में व्यस्त रहते हैं, उस समय चोर सक्रिय हो जाते हैं।

नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही
धारा 163 के तहत लागू है प्रतिबंधात्मक आदेश

हरिभूमि न्यूज रीवा। जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए जा चुके हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में 17 मार्च से लागू है। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं होने के कारण इसे भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी गई है। जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईंधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला दण्डाधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को पटवारी के साथ नरवाई जलाने की घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को भेजने के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों की सुनवाई करके एसडीएम के माध्यम से अंतिम निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक एवं समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है।

कृषि के विकास के लिए समन्वित प्रयास करें - कमिश्नर

हरिभूमि न्यूज रीवा। रीवा संभाग में कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी जिलों में कृषि और उससे जुड़े विभागों की समन्वय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। गत दिवस मैहर में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। किसान केवल परंपरागत तरीके से अनाजों की खेती करके अधिक लाभ नहीं प्राप्त कर सकता है। किसानों को खेती को आधुनिक तकनीक के साथ-साथ उद्यानिकी, मछलीपालन, पशुपालन, मुर्गीपालन जैसे अन्य कार्यों से जोड़ना आवश्यक है। तभी उसकी आय दुगनी होगी और खेती लाभ का धंधा बनेगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि, उद्यानिकी तथा पशुपालन विभाग के जिला, विकासखण्ड और मैदानी कर्मचारी समन्वित प्रयास करें। एक-दूसरे के विभाग की योजनाओं की पूरी जानकारी रखकर योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करें। इन सभी विभागों का मुख्य लक्ष्य किसान के जीवन को बेहतर बनाना है। समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। सभी अधिकारी एक-दूसरे से सतत संपर्क और संवाद रखें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त संचालक कृषि जेएस नेताम ने बैठक के उद्देश्यों और कृषि विभाग की प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में कमिश्नर ने कृषि विभाग की आत्मा परियोजना द्वारा तैयार सफलता की कहानियों की पुस्तिका का विमोचन किया। कमिश्नर ने बैठक में तीन किसानों को सोलर उपकरण का वितरण किया। बैठक में कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजना जैन, उप संचालक कृषि मनोज कश्यप, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, उप संचालक पशुपालन डॉ पीके द्विवेदी, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह, उप पंजीयक विजय मिश्रा, संभागीय कृषि यंत्री एसके नरवरे, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा जिला एवं विकासखण्ड स्तर के कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फ्रूटी के पाउच में निकले कीड़े, बच्ची की हालत बिगड़ी अस्पताल में चल रहा इलाज, खाद्य विभाग से जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज रीवा। भीषण गर्मी होने के कारण लोग बाजार में बिक रही ठंडी पाउच को बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग भी बड़ी मात्रा में खरीद कर सेवन करते हैं और सेवन करने के बाद बीमारियों का शिकार बनते हैं, रीवा जिले का एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां शहर में एक मासूम बालिका के पिता ने बेटी को फ्रूटी का पाउच खरीद कर दिया, जिसके सेवन के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। पिता के मुताबिक के पाउच में कीड़े निकले है। हालांकि मासूम बालिका अब खतरे से बाहर बताई गई है। पीड़ित परिजन इस पूरे मामले में खाद्य विभाग द्वारा कार्रवाई की मांग कर रहे है। पूरे मामले को लेकर गुल्लू खान निवासी घोघर ने बताया कि वह न्यायालय परिसर के समीप चाय की दुकान संचालित करते हैं उन्होंने बताया कि वह अपनी बेटी के लिए गुड़हाई बाजार के चिकान मोहल्ला स्थित अहमद की दुकान से फ्रूटी लिए थे जिसे ले जाकर अपनी बच्ची को दिए। उन्होंने बताया कि बच्ची फ्रूटी पी रही थी, इसी दौरान पाइप में अचानक कचरा जैसे फस गया जब उन्होंने पाइप को बाहर निकाल कर देखा तो उससे कीड़े निकल रहे थे जिसे वह तत्काल लेकर दुकान संचालक के पास पहुंचे तो उन्होंने फ्रूटी बदलने की बात कही। इस बीच बच्ची की हालत बिगडने लगी जिसे दवाइयां दी गई जिसकेबाद वह तरह से स्वस्थ है। गुल्लू खान ने कहा कि वह चाहते है। किसी और के बच्चे इस तरह से बीमार ना पड़े इसके लिए वह खाद्य विभाग से कार्रवाई की मांग कर रहे है। बताया गया है कि फ्रटी 31 दिसंबर 2024 की पैकिंग थी जिसकी एक्सपायरी डेट 28 मई 2025 थी। फिलहाल परिजनों ने खाद्य विभाग से जांच कर मामले में कार्रवाई की मांग की है।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए आचार्य प्रशांत

हरिभूमि न्यूज रीवा। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित पंचम दीक्षांत समारोह में मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एवं उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य विजय कुमार सी जी की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को उपाधि एवं मेडल से सम्मानित किया गया। इस समारोह में विंध्य के लाड़ले पंडित प्रशांत चतुर्वेदी को कक्षा आचार्य (फलित ज्योतिष) में विश्वविद्यालय की मैरिट लिस्ट में संपूर्ण मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्हें रजत पदक व फलित ज्योतिषाचार्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन व अतिथियों ने उन्हें बधाई दी। मूलतः विंध्य क्षेत्र के निवासी पंडित प्रशांत चतुर्वेदी ने अपनी सफलता का श्रेय बाबा महाकाल वा गुरुजनों और परिवार को दिया और कहा की वह अपने ज्ञान का उपयोग सदैव समाज की सेवा व देश हित में करेंगे। आचार्य प्रशांत ने अपनी इस उपलब्धि से विंध्य को गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा की समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को जीवन में सफल बनाता है, आप जीवन में कितने भी सफल हो जाएं लेकिन अपने माता-पिता को ना भूले। माता-पिता अत्यंत कठोर परिश्रम करके आपका पालन पोषण करते हैं, आपको उत्तम शिक्षा दिलाते हैं। पतंजलि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की राष्ट्र निर्माण के लिए विद्यार्जन करना अध्ययन और अध्यापन करना अत्यंत आवश्यक है विद्या के माध्यम से ही हम विषम परिस्थितियों का सरल समाधान कर सकते हैं। आज दीक्षांत समारोह में दीक्षित हो रहे विद्यार्थी भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के प्रति सदैव अपने आप को समर्पित करके देश हित में कार्य करें डॉ. संध्या पुरेचा ने कहा कि संस्कृत भाषा और संस्कृति एक ही सिक्के के दो पहलू हैं संस्कृत भाषा में ही हमारी भारतीय संस्कृति के मूल तत्व का समावेश है विश्वविद्यालय ने योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में योगदान के लिए पतंजलि योग विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण को भी डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया व नृत्य तथा नाट्य शास्त्र क्षेत्र में योगदान के लिए केंद्रीय संस्कृत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉक्टर संध्या पुरेचा को भी डी. लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संस्कृत वेद वास्तु योग वा ज्योतिष संकाय के मेधावी विद्यार्थियों का विशेष सम्मान किया गया एवं क्रमशः विद्यार्थियों की योग्यता के आधार पर स्वर्ण पदक रजत पदक वा कांस्य पदक से भी सम्मानित किया गया एवं उपाधियां प्रदान की गई।

उपभोक्ता भंडार काम्पलेक्स में आगजनी, दुकान संचलकों का लाखों का नुकसान अमहिया थाना क्षेत्र की घटना, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से बुझाई गई आग

हरिभूमि न्यूज रीवा। रविवार की सुबह अमहिया थाना क्षेत्र स्थित उपभोक्ता भंडार कॉम्प्लेक्स में आग लगने की एक गंभीर घटना सामने आई, जिससे तीन दुकानों में भारी क्षति हुई। शिल्पी प्लाजा के समीप स्थित इस व्यावसायिक परिसर में अचानक उठे धुएं और लपटों ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। आग की खबर मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे राहगीरों ने कॉम्प्लेक्स के भीतर से घना धुआं निकलते देखा। प्रारंभिक सूचना मिलते ही स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने संबंधित दुकान संचालकों और पुलिस को सूचित किया। फौरन कार्रवाई करते हुए अमहिया पुलिस ने दमकल विभाग को बुलाया और कई दमकल वाहनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू हुआ। इस घटना में सबसे ज्यादा नुकसान अमर ट्रेडर्स को हुआ है, जिसके संचालक अमर नाथ पाण्डेय ने बताया कि दुकान में रखे कागजात, फोटो कॉपी मशीन, खादी वस्त्र और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। अनुमान के अनुसार उनके व्यापार को लगभग साढ़े चार लाख रुपये का नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा गायत्री पूजन भंडार औरयुवा मेंस कलेक्शन नामक दुकानों को भी आग ने काफी नुकसान पहुंचाया है। तीनों दुकानों को मिलाकर लाखों रुपये की संपत्ति आग की भेंट चढ़ गई है। पीड़ित व्यापारियों ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। हालांकि अभी तक आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन अमहिया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी।

वैवाहिक कार्यक्रम से बाइक से लौट रहे पुलिस आरक्षक की सड़क हादसे में मौत, पुलिस लाइन में पदस्थ था आरक्षक, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज रीवा। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क हादसे में शनिवार की रात एक आरक्षक की मौत हो गई, हादसा रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के रामनई के पास शनिवार की रात करीब 11.30 बजे के आसपास हुआ। आरक्षक पुलिस ट्रेनिंग सेंटर रीवा में पदस्थ था। घटना के बाद आरक्षक को संजय गांधी अस्पताल लाया गया जहां रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया है। पुलिस मर्ग कायम कर दुर्घटना कारित करने वाले वाहन की तलाश कर रही है। आशंका है कि ट्रक की ठोकर से बाइक सवार आरक्षक की जान गई है। घटना के संबंध में रायपुर कर्चुलियान पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक शोभनाथ सेन पिता लोकनाथ सेन 55 वर्ष पीटीएस रीवा में पदस्थ थे, वो बेलवा कार्यक्रम में शामिल होकर रीवा लौट रहे थे जहां रामनई के पास वो हादसे का शिकार हो गए। मृतक के पुत्र सचिन सेन निवासी रामपुर बघेलान ने बताया कि उनके पिता तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने मऊगंज गए हुए थे। सचिन ने बताया कि उनके पिता जी की सीएम के आगमन को लेकर वीआईपी ड्यूटी लगी हुई थी जिसके चलते वह कार्यक्रम से रात को ही बाइक से रीवा आ रहे थे। देर रात सूचना मिली की उनका एक्सीडेंट हो गया जिसके बाद जब वो अस्पताल पहुंचे तो पता लगा कि उनकी जान जा चुकी है। बताया गया कि रामनई के समीप तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। फिलहला रायपुर कर्चुलियान पुलिस मर्ग कायम कर दुर्घटनाकारित करने वाले वाहन सहित चालक की तलाश में लगी हुई है।

52 करोड़ का ठेका फिर भी तारों में करंट नहीं

हरिभूमि न्यूज मऊगंज। जिले के मऊगंज देवतालाब ढेरा नईगढ़ी हनुमना के लिए वर्ष 22 में आरडीएसएस योजना के तहत 52 करोड़ रुपए से ठेकेदार को जले ट्रांसफार्मर बदलने उखड़े और अतिरिक्त पोल लगाने केवल बदलने के लिए राशि स्वीकृति के साथ खटखरी में विधायक की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया था किंतु अब तक मूल रूप से बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हो सका मऊगंज जिला बनने के बाद लगातार केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सभी व्यवस्थाओं के लिए राशि दी जा रही है इसके पहले भी आरडीएसएस योजना के तहत जिले के मऊगंज देवतालाब नईगढ़ी हनुमना क्षेत्र में जले टूटे केबिल पोल ट्रांसफार्मर बदलने 52 करोड़ राशि दी गई पूरे क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित है ठेकेदार की मनमानी से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सुधर नहीं हो रहा ना ही बिजली विभाग द्वारा इसकी देखरेख की जा रही है ग्रामीण अंचलों में बिजली बाधित होने से पानी शादी विवाह किसानी भी प्रभावित हो रही है मूल रूप से बिजली में सुधार के लिए इतनी बड़ी राशि दी गई है किंतु ठेकेदार द्वारा कहां बिजली सुधारी जा रही है इसकी जानकारी ना विभाग को है और ना ही जनप्रतिनिधियों को तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा बरहटा फीडर का नहीं हुआ सर्वे मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर बरहटा फीडर चालू होता है इस फीडर में दर्जनों गांव आते हैं तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी विभाग ने सर्वे नहीं किया इस फीडर में ग्राम पंचायत बरहटा देवरी मऊ बगदरा छोड़कर कई दर्जनों गांव देवतालाब विधानसभा में आते है जिसका सर्वे नहीं किया गया इस फीडर से जुड़े विधानसभा में रकरी उधौव पूर्वा नरैनी अमोखर हर्रहा पाड़र वन पाड़र दुधमनिया सरैहा नंदनपुर मलकपुर नहरो अटरिया बेलहाई किर्तिया जैसे कई गांवों का विभाग द्वारा सर्वे नहीं कराया गया जिसके कारण बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हो सका विभाग की यह सोची समझी इरादे के साथ इस देवतालाब विधानसभा के इन ग्रामों का सर्वे नहीं किया गया सर्वे न होने से बिजली मेंटेनेंस नहीं हो सकी जिसके कारण आए दिन बिजली बाधित रहती है और अघोषित कटौती की जाती है सर्वे न होना बड़े स्तर से जांच का विषय है।

मऊगंज में जल संकट गहराया, गोरमा डैम से निहाई नदी में छोड़ा गया पानी

कलेक्टर और सीएमओ ने की लोगों से अपील

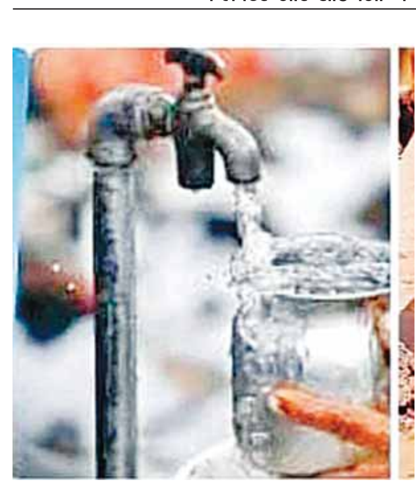

हरिभूमि न्यूज मऊगंजः नगर परिषद सहित पूरे जिले में पीने के पानी का संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। गर्मी की तपिश और बारिश की कमी के कारण निहाई, ओड्डा और सेलार नदियों का जलस्तर पूरी तरह से खत्म हो गया है। इसके चलते मऊगंज नगर में जल संकट उत्पन्न हो गया है और लोगों को पीने के पानी के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर संजय कुमार जैन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोरमा डैम से पानी छोड़ने का निर्णय लिया। यह पानी निहाई नदी से ओड्डा नदी में लाया जा रहा है, ताकि मऊगंज नगर में केएनके के माध्यम से नागरिकों को पानी उपलब्ध कराया जा सके। इस प्रयास से शहर की पेयजल आपूर्ति में कुछ राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन पीएचई एवं नगर परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में जल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और पूरी तरह से अधिकारियों को तैयार रहने के निर्देश दिए। मऊगंज नगर के लोग केएनके का पानी सड़कों एवं नालियो में बाहर बहा रहे थे तब शायद उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि एक दिन ऐसा भी आएगा जब लोगों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा।नगर परिषद मऊगंज के सीएमओ संतोष सिंह गहरवार ने नगरवासियों से अपील की है कि वे पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करें और पानी व्यर्थ न बहाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन सभी आवश्यक कदम उठा रहा है, लेकिन नागरिकों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। जल संकट की इस घड़ी में सामूहिक प्रयासों से ही समाधान संभव है।

मऊगंज में आईजी रीवा करेंगे जन चौपाल

हरिभूमि न्यूज, मऊगंज। जिले में कई महीनो से कई अनचाही हृदय विदारक घटनाएं घट चुकी है क्षेत्र में नशे का प्रयोग और अवैध कारोबार उत्तर प्रदेश से लगे सीमा क्षेत्र कई वजहों से लगातार जिले में अपराधिक गतिविधियां तेज हुई है जिसको लेकर रीवा जोन आईजी गौरव राजपूत मऊगंज के जनपद सभागार में सात मई को चार बजे आम जनमानस से संवाद के साथ चौपाल आयोजित करेंगे अपराधिक घटनाओं को रोकने सुझाव के साथ-साथ घटनाओं से बचने की जानकारियां साझा करेंगे वहीं क्षेत्रीय जन समुदाय पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से बातचीत के माध्यम से जागरूकता का संदेश देंगे जिसको लेकर उप पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया इस दौरान जनपद सीईओ राम कुशल मिश्रा जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल वरिष्ठ जनपद सदस्य नरेंद्र तिवारी कवि सुलेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे जिले में पहली बार पुलिस महानिरीक्षक का जन संवाद कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।